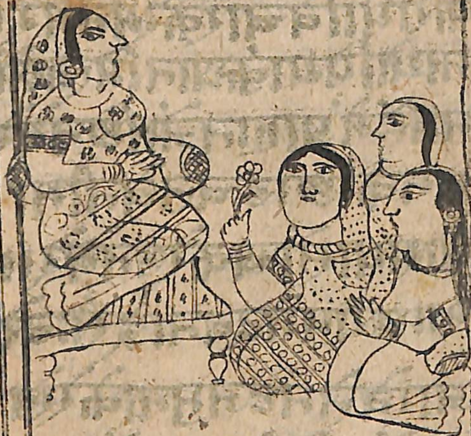
बैनीमाधो की बारह मासी

बकलम मुरलीधर

सं. १९४१ वि.

वैगी पोथी



श्रीगणेशायनमः॥

कार्तीकिलोलकरेसवसखि
यांराधाविचारकेमनमेरे।
माधोपियाकुंग्रानमिलाग्रो
नाहिंमेप्राणनजोछिनमेरे
हमकोंछाडचलेवेनीमा
धोराधासोंचकेरमनमेरे॥
१॥ ग्रगेनगेदवनाइसांवरे
जारवेलेनंदजमुनाकेरेव
लनगेंदपिरीजमुनामेंकाली
नागनथोछिनमेरे।हमको

छाड॥ ३ पुसमा सहमसों छ
लकीनो आय चले सैयां मधुब
नकों तुमनंदलाल जनमके
कपटी हमसों कपट कियाम
नमेरे हमकों छांड ३ माहमास
सैयां जाड़ो पड़ नैनींद आवे
मेरे नयनन मेरे हमकुं वैराग
नकीनी माधोजा घर घर अल
खजगावन कों हमको छोड़
चले ४ फागुन रंगवना आस
मीजी जाय ॥ ॥ ॥



खेलेसंगकुबिगोकेरे फाटक्या
लासहायपि चकोरीबोरदूस
बधूंघंटमेरे। हमको॰ पग्गाचै
तमास फूले चहूंकेस ऊधो।
आयेंसमकावनकूरें॥ समर
नोहाथमेलमृगछाला॰ श्रंगभ
भूतमलोसेरे॥ हमकाछोड
चले॰ ६ मासबैसाष बैसमे
री बारी आपि आपिसैयां मधु
बनसेरजट तगीयमन्त्रकबि
[illegible]बिरहकीइकूल

गीतनमेरहस॰७ जेठमेंज्वाला
फूकेतनमेरऊधोकस्योघर
आवनकीरे।ककतो अ्रकेली
नूजैबिरहासतावेआयगई
हैनबर्षाकीरे।हमको॰८ले
गेआषाढघुमडआ[illegible]बदए
बिजली चमकामेरेआगनमे
रे॥ चौंक चौंक चहुंओर
निहारोंजैसेमीनाफिरेजल
मेरे हमको॰९॰ सॅंवनस्वा
मीनेछलकीनोंप्रीतका
जाकु बजासरकाहोन ला

॥ कैसेमाखोनहिंआयस्याम
बृन्दावनमेरहमको॰।२०।भा
दोंभावननीदनहिंआवेमाग
लेबाहीमधुबनमेरे काइलहा
केमेंबनबनढूंढू सुकेताल
बृन्दाबनकोरे हमकोछाडच
लेबनमाधो॥२१॥कारमा
सनिमलभए बंद्यागोरीसोंवें
अपनेआंगनमेरेसूरदासस्वा
मीआनमिलावोएघारवप्री
फ़ईमनमेरे॥ ※ ॥ ※ ॥ ※



हमकोछाडचलेबैनीमाधो
राधाविचारकेंमनमेंर॥ ॰
॥१२ इतिश्रीबैनीमाधोकी
बारहमासीसंपूर्णम् संम्ब
त्१९ २९ कार्तिकबदि ७
वकलंमुरलीधर॥ ॰ ॥ ॰ ॥



